अप्रैल 2024 से जून 2024 वर्ष 10 अंक 2 मूल्य : 50 रूपये

त्रैमासिक पत्रिका

साहित्य सरोज

RNI N0-UPHIN/2017/74520, ISSN N0-2548-0843(Print)

अश्क ठहरें भी तो कैसे?

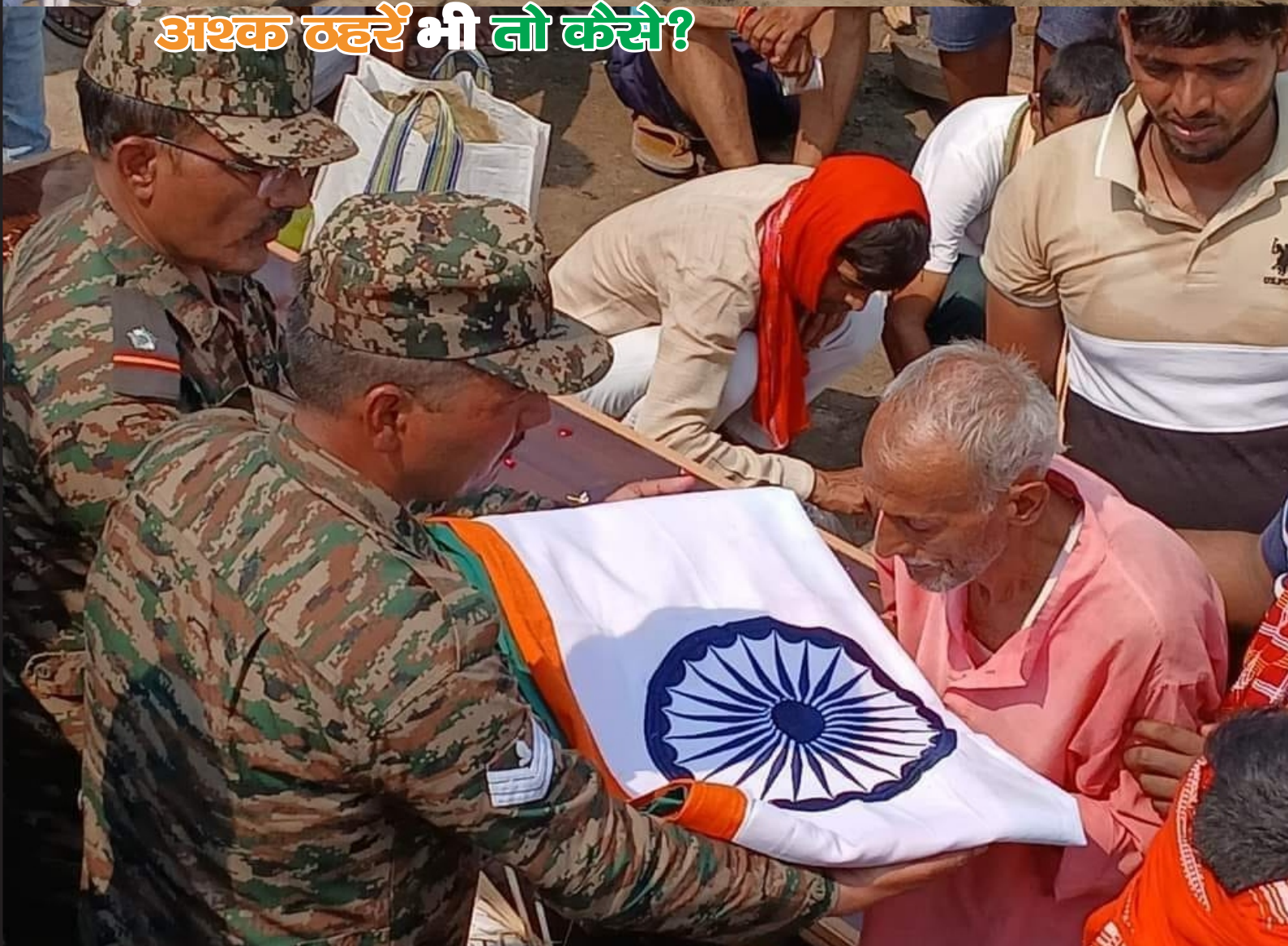

त्रैमासिक पत्रिका
साहित्य सरोज

वर्ष–10 अंक –2

माह अप्रैल 2024 से जून 2024

RNI No- UPHIN/2017/74520

ISSN: 2584-0843 (Print)

संस्थापिका –: स्व०श्रीमती सरोज सिंह

प्रकाशक –: अखंड प्रताप सिंह''अखंड गहमरी''

कार्यवाहक संपादक –: अखंड प्रताप सिंह

प्रधान कार्यालय –: मेन रोड,गहमर, गाजीपुर

पिन 232327 (उ0प्र0) मो0 9451647845

प्रधान कार्यालय प्रभारी - प्रशांत सिंह गहमर, गाजीपुर

विधिक सलाहाकार–श्री अशोक कुमार सिंह, गहमर, गाज़ीपर

तकनीकि संपादक- राजीव यादव, नोएडा सक्टेर **59**

ईमेल sarojsahitya55@gmail.com

बेवसाइट–:

https://www.sarojsahitya.page

https://sahityasaroj.com/

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक अखंड प्रताप सिंह, रधुवर सिंह का कटरा, मेन रोड, ग्राम व पोस्ट गहमर, जनपद गाजीपुर, उ0प्र0 पिन 232327 द्वारा पंकज प्रकाशन आमघाट,गाजीपुर से मुद्रित एवं अखण्ड प्रताप सिंह द्वारा प्रकाशित।

पत्रिका में छपे लेख,कहानीयॉं एवं अन्य विषयक सामाग्री लेखक के अपने विचार है, इनका किसी व्यक्ति या स्थान से मिलना संयोग मात्र है। किसी विवाद का निपटारा गाजीपुर न्यायालय में होगा।

प्रति अंक –50 रूपये मात्र

तकनीकि पक्ष–: कम्पोजिंग, डिजाइनिंग, कवर डिजाइनिंग अखंड प्रताप सिंह''अखंड गहमरी''

प्रिटिंग पंकज प्रकाशन आमघाट गाजीपुर

चित्र –गूगल ईमेज द्वारा।

लेखकों एवं रचनाकारों से अनुरोध है कि प्रकाशन हेतु अपनी लेख/कविता/कहानी भेजते समय अपनी एक फोटो, पूरा पता एवं मोबाइल नम्बर अवश्य लिखें, संभव हो तो अपने विषय वस्तु पर एक चित्र भी संलंगन करें।

पत्रिका प्रतिनिधि बनें सम्पर्क करें 9451647845

इस अंक में

लेख

सतेन्द्र कुमार पाठक बिहार	03
प्रबुद्ध घोष	06
ओम जी मिश्रा	08
नवीन कुमार जैन	12
चंद्रेश कुमार छतलानी	20
सुनील कुमार	22
रामभोले शर्मा	24
मनोज कुमार सिंह	25
नीलम नारंग	27
अर्णव खरे	29
डॉ शीला शर्मा	30
डॉ पूजा गुप्ता	31
हेंमत चौकियाल	33
सीमा रानी	37

काव्य जगत

कान्ति शुक्ला	03
रेनुका सिहं	07
कुमकुम काव्याकृति	26
रेखा दुबे	32
नीता चतुर्वेदी	35
अमित पाठक	40

कहानी

अलका गुप्ता	05
अशोक कुमार शर्मा	15
संतोश शर्मा शान	17
डॉ ज्योति मिश्रा	18
नवनीता पार्डेय	19
डॉ रेनू सिंह	23
डा अपूर्वा अवस्थी	41

किरण बाला की सम्मानित कहानी 36

सम्मानित लघुकथाएं मंजू सक्सेना, रंजना माथुर, रेणु गुप्ता, सुषमा सिन्हा 39

पत्रिका कहिन

साहित्य सरोज पत्रिका के वर्ष 10 अंक 2 में आपका हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन है। आशा है कि विगत अकों की तरह यह अंक भी आपको पंसद आयेगा। माह अप्रैल में चैतीय रामनवमी में साहित्य सरोज पत्रिका द्वारा माँ कामाख्या धाम पर भक्तों के लिए आप सब के आर्थिक सहयोग से सेवा शिविर लगाया गया। जिसमें लाखों भक्तों ने आपकी सेवा का लाभ उठाया। मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा ने अपने मिशन 400 पार में बुरी तरह पराजय पा कर भी देश में एनडीए की सरकार बनाई।

देश के युवाओं के भविष्य एवं मानव जीवन से खिलवाड़ करते हुए देश में एक बार फिर बेइमानी और पेपर लीक की गाज नीट जैसी परीक्षा में गिरी और युवाओं के साथ घिनौना मज़ाक हुआ। जिस पर सरकार की चुप्पी युवाओं में उसके प्रति नफरत का भाव पैदा कर रही है। भारत सरकार के शपथ ग्रहण समारोह के दौरान काश्मीर में उग्रवादी हमला हुआ। यह हमला कैसे हुआ? किसकी गलती थी, यह पता नहीं चल पाया। पुलगामा की तरह इस हमले का भी सच देश के सामने नहीं आ पायेगा।

जून महीने में दिवसों का बोलबाला रहा। पर्यावरण दिवस, योग दिवस के साथ-साथ गंगा दशहरा पर ऑनलाइन/ऑफलाइन खूब कार्यक्रम हुए। जून जाते-जाते कप्तान रोहित शर्मा के द्वारा आस्ट्रेलिया की दुर्गत कर सेमीफाइनल में पहुँचा। आस्ट्रेलिया के खिलाफ रोहित शर्मा की पारी कोई नहीं भूल सकता। जब रोहित ने अपना अर्धशतक यनि 50 रन बनाये तो उस समय टीम का स्कोर 52 रन था। यानि कुल स्कोर 52 रन में 50 रन रोहित के। इंग्लैड़ पर लगान वसूल करने वाली जीत के साथ भारत फाइनल में पहुँचा। फाइनल मैंच में विराट कोहली की पारी ने राहुल द्रविड़ को भी पीछे छोड़ दिया। लेकिन कहते है न कि भाग्य भी बहादुरों का साथ देता है। एक समय 30 गेंद पर 30 रन की जरूरत और 7 विवेक हाथ में रखने वाला दक्षिण अफ्रीका बुमरा की बालिंग एवं सूर्य कुमार के कैच से मुकाबला 20-20 का सिरमौर भारत को बनाया। इस प्रकार अप्रैल से माह 2024 विशेष रहा। इस वर्ष इन महीनों में भारी गर्मी का विशेष प्रभाव रहा। सबने बरसात में आक्सीजन देने वाले पौधे लगाने की कसम खाई है। देखीये कसम कहाँ तक पूरी होती है।

हिन्दी साहित्य के क्षेत्र में पैसे लेकर सम्मान देने की दुकानों भारी बढ़ोतरी हुई। आप इन दुकान से बड़े आराम से सम्मान खरीद कर बड़े साहित्यकार बन सकते हैं। लेकिन पत्रिका ने ऐसे सम्मान खरीदने एवं बेचने वालों के खिलाफ एक मुहिम चला दिया है, ताकि साहित्य के नवप्रवेशी का भविष्य जिन्दा रहे। साहित्य सरोज की वेबसाइट पर ऐसे सम्मान विक्रेताओं एवं खरीदारों के खिलाफ एक मुहिम चलायेगी। हम साहित्य के इस भ्रष्टाचार को रोक पाये या न रोक पाये लेकिन इसके खिलाफ मुहिम चला कर अपनी प्रोफाइल में लम्बे लम्बे सम्मान लिख कर वास्तविक साहित्यकारों को जलील करने वाले साहित्यकार एवं संस्था जनता के सामने तो आयें।

साहित्य सरोज पत्रिका प्रसिद्ध उपन्यासकार गोपालराम गहमरी के नाम पर गोपालराम गहमरी साहित्य एवं कला मंच भारत के प्रत्येक शहर में स्थापित करने, फिटनेस, अभिनय, कला, स्वरोजगार से लोगों को जोड़ने एवं अपने प्रचार-प्रसार के लिए देश के 100 शहर में पहुँचेगी। हमें आशा है कि आप अपने शहर में हमारा सहयोग करेगें।

आपको बताते हुए हर्ष हो रहा है कि जुलाई माह से पत्रिका अपनी वेबसाइट पर सात दिन सात रंग नामक स्थाई स्तंम्भ शुरू कर रही है। इसमें आपको विभिन्न स्तंम्भ पढ़ने को मिलेगें, जो ज्ञानवर्धन के साथ-साथ आपका मनोरंजन भी करेंगें। इसके लिए आप सादर आमंत्रित हैं।

साहित्य सरोज

"पहला सुख निरोगी काया"
70% बिमारियों का कारण वजन का अधिक होना
स्वस्थ्य एवं सक्रिय जीवन शैली का राज
JNC के साथ, कॉल करें 7985798456

दिव्य ज्ञान की प्राप्ति है योग

मानवीय गुणों में चतुर्दिक विकास का माध्यम योग है ।भगगवन शिव को योग का पिता कहा जाता है । भक्ति योग , कर्मयोग और ज्ञान योग से मानवीय शक्ति का चतुर्दिक विकास का माध्यम योग है ।

पुरातन काल से योग करने वाले पुरुष को योगी और महिला को योगनी कहा जाता है । योग ज्ञान से दिव्य ज्ञान की प्राप्ति होती है । अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस प्रति वर्ष 21 जून जो वर्ष का सबसे लम्बा दिन होता है मनाया जाता है। योग मनुष्य को दीर्घायु बनाता है। प्रथम बार योग दिवस 21 जून 2015 को मनाया गया, जिसकी पहल के लिए भारत के प्रधानमन्त्री श्रीमान नरेन्द्र मोदी नें 27 सितम्बर 2014 को संयुक्त राष्ट्र महासभा में विचार प्रगट किया था।

योग, ध्यान, सामूहिक मन्थन, विचार - विमर्श, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक का मंथन योग है । भारत की प्राचीन परम्परा का अमूल्य उपहार योग दिमाग और शरीर की एकता का प्रतीक और इंसान तथा प्रकृति के बीच सामंजस्य , विचार, संयम और पूर्ति प्रदान करने वाला , स्वास्थ्य और भलाई के लिए समग्र दृष्टिकोण को प्रदान करने वाला है। संयुक्त राष्ट्र के 11 दिसंबर 2014 को विश्व योग दिवस का पारित प्रस्ताव के अनुसार विश्व के 177 देशों के सदस्यों द्वारा 21 जून 2015 को "अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस" को मनाने के प्रस्ताव को मंजूरी मिली है। भारत के प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी की अपील के बाद 27 सितंबर 2014 को संयुक्त राष्ट्र महासभा में अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस के प्रस्ताव को अमेरिका द्वारा मंजूरी दी थी ।

लिस्बन, पुर्तगाल के योग संघ, आर्ट ऑफ़ लिर्विग फाउण्डेशन और योग विश्वविद्यालय, बेंगलूर के द्वारा आयोजित किया गया। योग गुरु अमृत सूर्यानन्द के अनुसार विश्व योग दिवस का विचार 10 साल पहले आया था । भारत की ओर से योग गुरु एवं श्री श्री रवि शंकर के नेतृत्व में विश्व योग दिवस के रूप में 21 जून को संयुक्त राष्ट्र और यूनेस्को द्वारा घोषित करने के लिए हस्ताक्षर किए गए थे । विज्ञान सम्मेलन में श्री श्री रवि शंकर, संस्थापक, आर्ट आफ़ लिर्विग आदि चुन चुन गिरि मठ के श्री स्वामी बाल गंगाधरनाथ, स्वामी पर्मात्मानन्द, हिन्दू धर्म आचार्य सभा के महासचिव बीकेएस अयंगर, राममणि आयंगर मेमोरियल योग संस्थान, पुणे स्वामी रामदेव, पतंजलि योगपीठ, हरिद्वार, डा० नागेन्द्र, विवेकानन्द योग विश्वविद्यालय, बंगलुरू, जगत गुरु अमृत सूर्यानन्द महाराज, पुर्तगाली योग परिसंघ के अध्यक्ष,अवधूत गुरु दिलीपजी महाराज, विश्व योग समुदाय, सुबोध तिवारी, कैवल्यधाम योग संस्थान के अध्यक्ष, डा डी०आर का तकेयन, कानून-मानव जिम्मेदारियों व कारपोरेट मामलों के सलाहकार